

निं. 13094/115

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक 12015 निगरानी

बकलू उपा' विमल सोनी पुत्र हजारीलाल सोनी,  
निवासी- ग्राम दुर्जनपुरा, तेहसील व जिला  
विदिशा-मध्यप्रदेश।

----- प्रार्थी

बिराध्व

१- जरीना वी पत्नी अब्दुल मजीद, निवासिन-  
मोहल्ला- मुगलटोला, तेहसील व जिला  
विदिशा-मध्यप्रदेश।

२- मध्यप्रदेश शासन व

----- प्रतिप्रार्थी०

निगरानी बिराध्व आदेश तेहसीलदार महोदय विदिशा दिनांकी  
१८-०६-१५ अन्तर्गत धारा ५० मध्यप्रदेश मू-राजस्व व संहिता, १९५६।  
प्रकरण क्रमांक ५७।१४-१५-ए-१२.

श्रीमान जी,

निगरानी का प्रार्थना पत्र निम्नानुसार प्रस्तुत है :-

- १- यह कि, अधीनस्थ न्यायालय की आज्ञा कानूनन सही नहीं है।
- २- यह कि, तेहसीलदार महोदय ने प्रकरण के स्वरूप एवं कानूनी स्थिति को सही नहीं समझा है।
- ३- यह कि, वर्तमान प्रकरण में धारा १२६ के प्रावधानों एवं नियमों का पालन नहीं किया गया है।
- ४- यह कि, प्रकरण में विधिवत जांच नहीं की गई है।
- ५- यह कि, विवादित भूमि के समीपस्थ कृषक होने के कारण प्रार्थी

धारा ५० प्रकारी (रा.सं.)  
न्यायालय महाधिवक्ता, ग्वालियर

दिनांक 11-9-15 को  
श्री राजू को आवरणी  
कोर्ट में दाखल  
11-9-15  
50

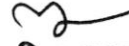
9/9/15

## राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश - ग्वालियर

## अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - निगरानी-3094-एक/15

जिला - विदिशा

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
05-12-18	<p>आवेदक की ओर से अधिवक्ता श्री एस.के. अवस्थी उपस्थित। आवेदक की ओर से यह निगरानी तहसीलदार के आदेश के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म.प्र. भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुए संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत तहसीलदार द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध सुनवाई कलेक्टर द्वारा की जाना है। अतः यह प्रकरण सुनवाई हेतु कलेक्टर को भेजा जाता है। उभयपक्ष प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 26-02-19 को कलेक्टर, जिला विदिशा के समक्ष उपस्थित हों।</p> <p style="text-align: right;">   <b>प्रशासकीय सदस्य</b> </p>	